खण्ड-488, अंक-2
गुरुवार, 01 फाल्गुन, शक संवत् 1935
(20 फरवरी, 2014 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2014)

(खण्ड 488 में 6 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2013

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय				पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	...	1-6
सोलहवीं विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री सैय्यद कासिम हसन तथा श्री दीपक कुमार के निधन पर शोकोद्गार	...	...	...	7-12

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 20 फरवरी, 2014

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

उपस्थित सदस्य-297

1. अंसार अहमद, श्री — इलाहाबाद
2. अखिलेश प्रताप सिंह, श्री — देवरिया
3. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
4. अजय मिश्र 'टेनी', श्री — लखीमपुर खीरी
5. अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
6. अजय कुमार, डा0 — इलाहाबाद
7. अजीत कुमार, श्री — फर्रुखाबाद
8. अजीमुल हक पहलवान अंसारी, हाजी — अम्बेडकर नगर
9. अताउररहमान, श्री — बरेली
10. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
11. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
12. अनिल वर्मा, श्री — उन्नाव
13. अनीसुर्रहमान, श्री — मुरादाबाद
14. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
15. अनुप्रिया पटेल, सुश्री — वाराणसी
16. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
17. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
18. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री — बलरामपुर
19. अभय नरायन सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़
20. अभय सिंह, श्री — फैजाबाद
21. अभिषेक मिश्र, श्री — लखनऊ
22. अमर पाल शर्मा, श्री — गाजियाबाद
23. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
24. अरविन्द सिंह यादव, श्री — कन्नौज
25. अरूण वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
26. अरूण कुमार, डा0 — बरेली
27. अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
28. अली यूसूफ अली, श्री — रामपुर
29. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री — गोण्डा
30. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
31. अविनाश कुशवाहा, श्री — सोनभद्र
32. अशफाक अली खां, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
33. आदिल शेख, श्री — आजमगढ़
34. आबिद रजा खां, श्री — बदायूं
35. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — बलरामपुर
36. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
37. आशा किशोर, श्रीमती — छत्रपति शाहूजी महराज नगर
38. आशीष कुमार यादव, श्री — एटा
39. आशीष यादव, श्री — बदायूं
40. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
41. इकबाल महमूद, श्री — भीमनगर
42. इन्दल कुमार, श्री — लखनऊ
43. इन्द्रजीत कोरी, श्री — कानपुर नगर
44. इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
45. इन्द्रपाल सिंह, श्री — रमाबाईनगर
46. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
47. उदयराज, श्री — उन्नाव
48. उदय लाल मौर्या, श्री — वाराणसी
49. उमाकान्ती, श्रीमती — जालौन
50. उमाशंकर, श्री — बलिया
51. उमेश पाण्डेय, श्री — मऊ
52. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं

53. ओम प्रकाश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
54. कमाल युसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
55. काली चरन सुमन, श्री आगरा
56. कृष्ण कुमार ओझा, श्री बहराइच
57. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
58. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
59. केशव प्रसाद (कुशवाहा) मौर्य, श्री कौशाम्बी
60. कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
61. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
62. गंगा सिंह कुशवाहा, श्री कुशीनगर
63. गजराज सिंह, श्री पंचशील नगर
64. गयाचरण दिनकर, श्री बांदा
65. गयादीन अनुरागी, श्री हमीरपुर
66. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
67. गुटियारी लाल दुवेश, श्री आगरा
68. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
69. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
70. गेंदा लाल चौधरी, श्री महामायानगर
71. गोमती यादव, श्री लखनऊ
72. चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री चित्रकूट
73. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
74. चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
75. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
76. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
77. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
78. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
79. जगपाल, श्री सहारनपुर
80. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
81. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
82. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
83. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
84. जाहीद बेग, श्री सन्तरविदास नगर (भदोही)
85. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
86. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
87. तसलीम, श्री बिजनौर
88. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
89. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
90. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन
91. दलजीत सिंह, श्री बांदा
92. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
93. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
94. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
95. देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह, श्री महराजगंज
96. देवेन्द्र अग्रवाल, श्री महामायानगर
97. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
98. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
99. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
100. धर्मराज, श्री बाराबंकी
101. धर्मसिंह सैनी, डा0 सहारनपुर
102. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कांशीराम नगर
103. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा
104. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
105. नवाजिश आलम खान, श्री मुजफ्फरनगर
106. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्री प्रतापगढ़
107. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री शाहजहांपुर
108. परवेज अहमद (टंकी), हाजी इलाहाबाद
109. पिंकी सिंह, श्रीमती भीमनगर
110. पीटर फैन्थम, श्री नाम-निर्देशित
111. पीतमराम, श्री पीलीभीत
112. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
113. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर

114. प्रदीप चौधरी, श्री सहारनपुर
115. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
116. प्रभूदयाल वाल्मीकि, श्री मेरठ
117. प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री औरैया
118. प्रशान्त कुमार सिंह (राहुल सिंह), श्री इलाहाबाद
119. प्रेम प्रकाश सिंह, श्री देवरिया
120. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
121. ''फसीहा मंजर'' ''गजाला लारी'', श्रीमती देवरिया
122. फेरन लाल, श्री ललितपुर
123. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
124. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महराजगंज
125. बदलू खां, श्री उन्नाव
126. बब्बन सिंह चौहान, श्री चन्दौली
127. बाबू खां, श्री हरदोई
128. बाबूलाल, श्री गोण्डा
129. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
130. बृजेश कटेरिया, इंजी0 मैनपुरी
131. बृजेश कुमार, श्री हरदोई
132. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
133. बैजनाथ, श्री मऊ
134. ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
135. भगवत सरन गंगवार, श्री बरेली
136. भगवती प्रसाद, श्री अलीगढ़
137. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
138. भाई लाल कोल, श्री मिर्जापुर
139. भीम प्रसाद सोनकर, श्री अम्बेडकरनगर
140. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
141. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
142. मदन सिंह उर्फ सन्तोष, श्री औरैया
143. मधुबाला, श्रीमती सन्त रविदास नगर (भदोही)
144. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
145. मनीष रावत, श्री सीतापुर
146. मनोज कुमार, श्री चन्दौली
147. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
148. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
149. ममतेश शाक्य, श्री काशीराम नगर
150. महबूब अली, श्री जे0पी0नगर
151. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
152. महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
153. माइकल चन्द्रा, श्री जे0पी0नगर
154. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
155. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
156. मित्रसेन यादव, श्री फैजाबाद
157. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
158. मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप, श्री बहराइच
159. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानुपर नगर
160. मुसर्रत अली बिट्टन, श्री बदायूं
161. मुहम्मद गाजी, श्री बिजनौर
162. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावास्ती
163. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
164. मो0 जासमीर अंसारी, श्री सीतापुर
165. मो0 मुस्लिम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
166. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
167. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
168. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
169. मौ0 अलीम खां, श्री बुलन्दशहर
170. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद
171. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
172. यासर शाह, श्री बहराइच
173. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
174. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री रमाबाईनगर
175. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री कानपुर नगर
176. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
177. रणजीत सुमन, श्री एटा
178. रमेश चन्द बिन्द, डा0 मिर्जापुर
179. रमेश चन्द्र दुबे, श्री सोनभद्र

180. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
181. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
182. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
183. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
184. रवि शर्मा, श्री झांसी
185. रश्मि आर्य, डा0 झांसी
186. राकेश कुमार, श्री अलीगढ़
187. राकेश प्रताप सिंह, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
188. राघव लखनपाल, श्री सहारनपुर
189. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
190. राजकुमार रावत, श्री मथुरा
191. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
192. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
193. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
194. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
195. राजेन्द्र सिंह राणा, श्री सहारनपुर
196. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
197. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
198. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
199. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
200. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
201. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
202. राधे श्याम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
203. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
204. राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
205. राम करन आर्य, श्री बस्ती
206. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री भीमनगर
207. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
208. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
209. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
210. रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर
211. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
212. राम मगन, श्री बाराबंकी
213. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
214. राममूर्ती सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
215. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
216. रामवीर उपाध्याय, श्री महामाया नगर
217. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
218. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
219. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
220. रामस्वरूप सिंह, श्री रमाबाई नगर
221. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
222. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
223. रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
224. रूबी प्रसाद, श्रीमती सोनभद्र
225. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
226. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0 मेरठ
227. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती भीमनगर
228. लालमुन्नी सिंह, श्रीमती सिद्धार्थनगर
229. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
230. लोकेश दीक्षित, श्री बागपत
231. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
232. वहाब चौधरी, श्री गाजियाबाद
233. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
234. विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर
235. विजय कुमार दूबे, श्री कुशीनगर
236. विजय सिंह, श्री रामपुर
237. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
238. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
239. विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
240. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
241. वीरपाल राठी, श्री बागपत
242. वीर सिंह, श्री चित्रकूट

243. वीरेन्द्र सिंह, श्री बरेली
244. वेदराम भाटी, श्री गौतमबुद्ध नगर
245. शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
246. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
247. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
248. शाकिर अली, श्री देवरिया
249. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
250. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
251. शिव कुमार बेरिया, श्री रमाबाई नगर
252. शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
253. शिवाकान्त ओझा, प्रो0 प्रतापगढ़
254. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
255. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
256. श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्री वाराणसी
257. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
258. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्री आजमगढ़
259. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
260. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
261. श्रीभगवान शर्मा, श्री बुलन्दशहर
262. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
263. संजय कपूर, श्री रामपुर
264. संजय प्रताप जयसवाल, श्री बस्ती
265. सईद अहमद, श्री इलाहाबाद
266. सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर
267. सतवीर सिंह गुर्जर, श्री गौतमबुद्ध नगर
268. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
269. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
270. सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
271. सत्यवीर मुन्ना, श्री इलाहाबाद
272. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
273. सन्तराम कुशवाहा, श्री जालौन
274. सावित्री बाई फूले, सुश्री बहराइच
275. सिबगतुल्ला अंसारी, श्री गाजीपुर
276. सियाराम सागर, डा0 बरेली
277. सीमा, श्रीमती जौनपुर
278. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री फतेहपुर
279. सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
280. सुदामा प्रसाद, श्री महराजगंज
281. सुदेश शर्मा, श्री गाजियाबाद
282. सुधाकर, श्री मऊ
283. सुधीर कुमार, श्री उन्नाव
284. सुनील कुमार लाला, श्री लखीमपुर खीरी
285. सुब्बा राम, श्री गाजीपुर
286. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली
287. सुरेश राणा, श्री प्रबुद्धनगर
288. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
289. सुरेश बंसल, श्री गाजियाबाद
290. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
291. सूरज पाल सिंह, श्री आगरा
292. सोबरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
293. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
294. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री लखीमपुर खीरी
295. हरिओउम् यादव, श्री फिरोजाबाद
296. हेमराज वर्मा, श्री पीलीभीत
297. हेमलता चौधरी, श्रीमती बागपत

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव) तथा पंचायती राज मंत्री (श्री बलराम यादव) भी सदन में उपस्थित थे।

[11.01] सोलहवीं विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री सैय्यद कासिम हसन तथा श्री दीपक कुमार के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बड़े दुःख के साथ सूचित कहना पड़ रहा है कि दो माननीय सदस्य, सदस्य, श्री सैय्यद कासिम हसन का 30 दिसम्बर, 2013 को निधन हो गया। वह लगभग 71 वर्ष के थे और दूसरे माननीय सदस्य, श्री दीपक कुमार का निधन 24 जनवरी, 2014 को हो गया। उनकी उम्र लगभग 48 वर्ष थी। श्री सैय्यद कासिम हसन कई अन्य जगहों पर भी जनता का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। श्री सैय्यद कासिम हसन सर्वप्रथम वर्ष 1977 में निर्वाचन क्षेत्र जहानाबाद, जिला फतेहपुर से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उसके बाद वर्ष 1971 में निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर से निर्वाचित हुए, उसके बाद वर्ष 1996 में निर्वाचित हुए और इस बार जब 2012 में चुनाव लड़े तो वह इस सदन के सदस्य बने। उन्होंने लगातार जनता के बीच में रह करके जनता की मदद की। कई पदों पर काम किया और अपने व्यवहार, अपनी बातचीत से जनता के बीच में सम्मान प्राप्त किया। वह कई कमेटियों के चेयरमैन भी रहे। वे टाउन एरिया, कोड़ा जहानाबाद के चेयरमैन तथा मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष भी रहे थे। वे शैक्षिक संस्थायें भी चला रहे थे, समाजसेवा तथा खेल से ले करके तमाम चीजों में वह रुचि रखते थे और उन्होंने स्कूल की स्थापना तब की जब वहां शिक्षा का कोई साधन नहीं था। उन्होंने महसूस किया था कि शिक्षा के बिना समाज में तरक्की नहीं हो सकती, खुशहाली नहीं हो सकती। उन्होंने अपने संसाधनों से अपने प्रयासों से अपनी मेहनत से संस्था को खड़ा किया, चलाते रहे और लगातार समाज के हर वर्ग के लोगों के बीच में लोकप्रिय रहे कोई वर्ग ऐसा नहीं था जो उन्हें सम्मान से न देखता हो। मैं उनके घर गया था और सुबह ही मैं पहुंच गया था बड़ी संख्या में लोग एकजुट थे। जितनी संख्या में वहां मुस्लिम समाज के लोग दिखाई दिये उस संख्या से ज्यादा और समाज के लोग वहां दिखाई दिये। यह कहीं न कहीं उनका व्यवहार था उनका कामकाज था जिसकी वजह से कहीं किसी तरह का भेदभाव नहीं था। आज हम दुखी हैं। इसके साथ-साथ दीपक कुमार जो विधायक रहे कई बार इस सदन के। उनके पिताजी भी रहे कई बार इस सदन के विधायक। जब मैं पहली बार लोक सभा के लिये चुना गया था तो वह लोक सभा के सांसद थे। उन्होंने जीवन भर किसानों की, गरीबों की और गांव में रहने वाले लोगों की और खासकर पिछड़े वर्ग के लोगों की लड़ाई लड़ी और संघर्ष किया और उसी के बल पर वह समाज में और उन्नाव में ही नहीं मैं समझता हूं कि देख और प्रदेश में अपने समाज में बहुत लोकप्रिय रहे। असमय उनकी मृत्यु हुई बीमार थे, गुड़गांव में एडमिट थे। इलाज चल रहा था। यह नहीं लगता था कि वह हम लोगों को छोड़कर चले जायेंगे। अस्पताल के डाक्टरों ने भरोसा दिया था कि वह स्वस्थ हो जायेंगे। लेकिन किसी का बस नहीं चलता। वह आज हमारे बीच में नहीं है। वह बहुत लोकप्रिय थे। क्षेत्र में उन्होंने जनता की लगातार सेवा की और लगातार जनता के बीच में रहकर वह लोकप्रिय बने रहे। इतनी कम उम्र में भी वह लोकप्रिय रहे। आज उनके निधन से भी हम समाजवादी पार्टी के लोग दुखी हैं। ये वह दोनों विधायक जो हमारे बीच नहीं रहे हैं, कम समय तक वह इस सदन में रह

पाये अगर उन्हें मौका मिलता तो जनता की बहुत सेवा करते। आज हम दुखी हैं। मैं उनको अपनी तरफ से और सरकार की तरफ से और इस पूरे सदन की तरफ से श्रद्धांजलि देता हूं।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन के हमारे वरिष्ठ सदस्य श्री सैय्यद् कासिम हसन साहब आज हमारे बीच में नहीं है। उनके सम्बन्ध में शोक संवेदना व्यक्त करते हुए माननीय नेता सदन ने जो भी शोक संवेदना व्यक्त की है उससे अपने को संबद्ध करता हूं। श्री सैय्यद् कासिम हसन साहब जी ने बहुत ही कर्मठ, जुझारू, संघर्षशील, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में अपना सामाजिक सफर शुरू किया था और इसी संघर्ष की बदौलत इमरजेंसी में मीसा और डी0आई0आर0 में जेल में भी रहे। मान्यवर, श्री कासिम हसन साहब 1977, 1991, 1996, 2012 में क्रमशः जनता पार्टी, जनता दल, बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी से विधायक निर्वाचित होकर जहानाबाद और फतेहपुर विधान सभा से आते रहे। जहानाबाद टाउन एरिया कोड़ा में चेयरमैन भी रहे और भी कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहे। स्वाभाविक रूप से ऐसे सदस्य के न रहने से इस सदन की अपूर्णीय क्षति हुई है। यद्यपि कि जो भी पैदा हुआ है, एक न एक दिन जाता है, लेकिन संघर्षों से सफर शुरू हुआ और संघर्ष करते-करते हमारे बीच से विदा हो गये। मैं अपनी ओर से, बहुजन समाज पार्टी की ओर से और समस्त विपक्षी पार्टियों की तरफ से शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं और मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी इन शोक संवेदनाओं को उनके परिवारीजनों तक पहुंचा दिया जाय और परिवारीजन को हमारी सांत्वना भी आपके माध्यम से पहुंचे। इसी निवेदन के साथ मान्यवर, हमारी इसी विधान सभा के एक और विधान सदस्य जो अभी युवा थे, मात्र 48 साल में हमारे बीच से विदा हो गये, श्री दीपक कुमार जी और श्री दीपक कुमार जी ने विधान सभा की यात्रा उप-चुनाव 1995 के माध्यम से किया था और उसके बाद मान्यवर, क्रमशः 1996, 2007 और 2012 में उन्नाव से वह लगातार समाजवादी पार्टी से विधायक चुने जाते रहे। लोक सभा में भी एक बार वह सदस्य रहे हैं और इसके साथ ही साथ इससे ज्यादा उपलब्धि उनकी एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में रही, पिछड़े वर्गो को लामबन्द करने के लिए उन्होंनें परम्परागत रूप से अपने पिता से विरासत के रूप में पाई थी, जो पिछड़े वर्गों को जोड़ने के लिए लगातार तत्पर रहते थे और विशेष रूप से लोधी, बिन्द, मल्लाह, केवट समाज को उन्होंनें एकता के सूत्र में पिरो कर के जो भिन्न-भिन्न जिलों में क्षेत्रीयता के आधार पर उपनामों से विभाजित थे, उनको एक मंच पर लाने का भी काम किया। तो स्वाभाविक रूप से आज उनकी नामौजूदगी में उनकी सामाजिक, राजनैतिक यात्रा, उपलब्धियां, योगदान जो भी हैं, अविस्मरणीय हैं। मैं अपनी ओर से, बहुजन समाज पार्टी के ओर से और समस्त विपक्षी दलों की ओर से उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी इन भावनाओं को, इस शोक संवेदना को, उनके परिवारीजन तक पहुंचाने का कष्ट करें, धन्यवाद।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, आज हम इस सदन के दो वर्तमान सदस्यों के प्रति श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पर उपस्थित हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष की भावनाओं से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं। श्री कासिम अली 1991 में जब मैं पहली बार चुन कर आया था, तब इस सदन के सदस्य थे, उसके बाद वह 1996 में और अभी 2012 में पुनः इस सदन के सदस्य

चुने गये। हमारे पड़ोस के जिले फतेहपुर से पहले वह जहांनाबाद से विधान सभा के सदस्य रहे और अबकी बार फतेहपुर से सदस्य थे। मान्यवर, वह मृदुभाषी थे और सबके साथ बहुत मिलनसार उनका व्यक्तित्व था। राजनीतिक दलों से ऊपर दुर्भावनाओं से ऊपर उठकर सबके साथ मेल-भाव भी उनका एक स्वभाव था।

सैय्यद कासिम हसन ने समाज के लिये जो काम किये, उन्हीं के कारण उनकी लोकप्रियता थी कि वह 4 बार इस विधान सभा के सदस्य बने। मान्यवर, सौभाग्य होता है एक बार इस विधान सभा का सदस्य बनना और इतनी ज्यादा बार अगर व्यक्ति चुनकर आता है तो माना जाना चाहिए कि जनता में उसकी स्वीकार्यता है। सैय्यद कासिम हसन इस सदन के सदस्य के रूप में हम सब लोगों के बीच में पिछली बार भी बैठे थे। दुर्भाग्य से उनको जब हार्ट अटैक पड़ा तो उनको कानपुर लाया जा रहा था और कानपुर कार्डियोलॉजी में आने से पहले उनको मृत घोषित कर दिया गया। मान्यवर, मैं अपनी ओर से और भारतीय जनता पार्टी की तरफ से उनके प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करता हूं और उनके परिवार को ये शोक संवेदनायें भेजने के लिये आपसे निवेदन करता हूं। मान्यवर, इस सदन के दूसरे मा0 सदस्य श्री दीपक कुमार जो कि 48 वर्ष के अभी पूरे नहीं हुए थे, वह अक्टूबर में 48 वर्ष के पूरे होते। वह वर्ष 1991 में छावनी विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़े थे। उनके पिता जी का और हमारे पिता जी का एक बहुत निकटता का सम्बन्ध था, दोनों क्लास मेट थे। उस नाते से हमारे एक पारिवारिक सम्बन्ध भी थे। राजनैतिक सम्बन्ध और राजनीतिक विचारधारा भिन्न हो सकती है लेकिन उनका स्वभाव था कि मेरे प्रति वह एक बड़े भाई का सम्मान रखते थे और उसी प्रकार का सम्मान, स्नेह मैं उनको देता था। मान्यवर, वह उसी स्कूल से पढ़े थे जिस स्कूल में पढ़कर निकला था। मान्यवर, वह क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय थे। गंगा पट्टी के इस तरफ कानपुर महानगर में वह मेरे विधान सभा क्षेत्र के निवासी थे और क्षेत्र के विकास के लिये वह किसी से भी बात करने में संकोच नहीं करते थे।

(एक मा0 सदस्य के बीच में खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्यगण, यह शोक संवेदना का माहौल है। जरा आप अपनी कुर्सी पर थोड़ी देर बैठे रहिये। अब आप जायें न।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, जहां पर उनका क्षेत्र था, जहां पर वह रहते थे। अगर उस क्षेत्र के विकास के सन्दर्भ में भी किसी प्रकार की कोई बात उनको मुझसे करनी होती थी, चाहे वह हैण्डपम्प लगाने की हो, चाहे सड़कें बनाने की हों तो किसी भी प्रकार का एक शिष्टता का, एक आपसी सम्बन्ध होते हैं भाईचारे वाले तो उस अधिकार से कहते थे, वह इतनी चिन्ता करते थे। किसी भी प्रकार की बहानेबाजी नहीं करते थे कि मैं इस क्षेत्र से विधायक नहीं हूं तो मैं इस क्षेत्र का विकास नहीं करूंगा। उसके लिये प्रयत्नशील रहते थे। मान्यवर, यह उनकी जनता के प्रति जवाबदेही और जनता के प्रति प्यार का एक प्रतीक था। वह लोक सभा के सदस्य भी रहे। मान्यवर, उन्होंने विदेश यात्रायें भी की। हमारे साथ डेलीगेशन में भी गये थे और जब कुछ दिन साथ रहने का अवसर मिलता है तो व्यक्ति के बारे में बहुत नजदीकी से उसकी जानकारी मिलती है। वह बहुत विनम्र स्वभाव के थे

और मान्यवर, अभी कोई उम्र नहीं थी उनकी जाने की। मान्यवर, वह सन् 1966 में पैदा हुए थे और अभी अक्टूबर, 2014 में उनको 48 वर्ष पूरे करने थे, पर उनके न रहने से प्रदेश ने एक महत्वपूर्ण नेता जो समाज के लिये समर्पित रहता था, उसको खोया है। मैं अपनी पार्टी की ओर से और अपनी ओर से मान्यवर, मैं व्यक्तिगत रूप से भी बहुत दुखी था क्योंकि मैंने जैसे आपको बताया कि मेरा उनसे पारिवारिक और भाइयों वाला सम्बन्ध था। मान्यवर, मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से शोक संवेदनायें व्यक्त करता हूं। आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अनुग्रह नारायण सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, इस सदन ने हम लागों ने अपने दो माननीय, कर्मठ और समाजसेवी सदस्यों को खो दिया हैं मा0 सैय्यद कासिम हसन साहब और मा0 दीपक कुमार जी हमारे बीच में नहीं रहे हैं। कासिम हसन साहब से हमारा सम्बन्ध जब मैं छात्र राजनीति में था और फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, झांसी हम लोग जाते थे, तब से उनका सम्बन्ध रहा है। उनके दिल में हमेशा नौजवानों के प्रति, किसानों के प्रति, मजलूमों के प्रति एक दया सेवा की भावना रही है, उनके लिये काम करने की भावना रही है और यही कारण है कि 1975 में जब देश में आपातकाल लगा तो वह जेल गये। फतेहपुर जेल में रहे, इलाहाबाद जेल में भी रहे। उस समय हम लोग भी आपके साथ ही आपातकाल से पीड़ित रहे हैं और कासिम हसन साहब से हम लोग के तमाम इस तरह के एक दूसरे से सहयोग करने के रिश्ते रहे हैं। जेल से निकलने के बाद 1977 में वे विधान सभा के सदस्य हुए फिर 91 में सदस्य हुए, फिर 96 में सदस्य हुए, उसके बाद वे 2012 में सदस्य हुए। इस तरह से वह एक से नहीं बल्कि जहानाबाद विधान सभा से और फतेहपुर विधान सभा दोनों से सदस्य होते रहे। उनकी हमेशा यह मनोभावना रही कि कोई भी अगर पीड़ित है, मजलूम है तो उसकी मदद की जाए और उन्होंने ये अपने संस्कार अपने घर से अपने पितामह से लिये थे जो स्वयं भी बहुत ही लोगों की मदद करने वाले थे। आज हमारे बीच वह नहीं हैं, सन् 1942 में पैदा हुए थे, आजादी के पहले ही जो उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी देखी थी, बचपन से ही इसलिए उनके अन्दर एक दर्द, एक पीड़ा थी, एक टीस थी, जिसके खिलाफ वे जीवन भर लड़ते रहे, आवाज उठाते रहे। आज हमारे बीच वह नहीं हैं। मैं मा0 नेता सदन, मा0 नेता प्रतिपक्ष और मा0 नेता बी0जे0पी0 की भावनाओं से अपने का सम्बद्ध करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी और अपनी ओर से भी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आप से निवेदन करता हूं कि हम लोगों की यह भावना उनके शोक-संतृप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। इसी तरह मा0 दीपक कुमार जी भी थे, हालांकि हम लोगों को 2007 में साथ रहने का मौका मिला था। अभी भी वे सदस्य थे, उनके पिता मनोहर लाल जी, जब मैं यहां पहली बार विधायक होकर आया था, लोकतंत्र से वे हम लोगों के साथ थे, हम लोगों के बुजुर्ग थे, हम लोगों के मार्गदर्शक थे और उनसे हम लोगों ने बहुत सीखा और उनके न रहने पर दीपक कुमार जी ने उनकी जगह ली और उन्होंने भी समाजसेवा की। यकायक उनका भी एक तरह से कहें तो अल्पायु में निधन हो गया। यह बहुत ही हम लोगों के लिए शोक की बात है। मा0 दीपक कुमार जी का अनुभव विधान सभा और लोक सभा दोनों का था। उनसे तमाम लोग सीख लेते थे, उनसे मदद पाते थे, केवल राजनीति में ही

नहीं बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी तमाम स्कूल, कालेजों से उनके सम्बन्ध थे और इसके साथ ही साथ सामाजिक संगठनों में भी उन्होंने तमाम अगुवाई की है। उनके न रहने से हम लोग अभाव महसूस करते हैं, हम लोगों के बीच अभाव की भावना है। मैं उनके शोक संतृप्त परिवार को अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तरफ से सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे निवदेन करता हूं कि हम लोगों की भावनाओं को उनके शोक संतृप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री दलवीर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आज हमारे बीच से वर्तमान विधान सभा के मा0 सदस्य श्री सैय्यद कासिम हसन साहब और श्री दीपक कुमार जी स्वर्गीय हो गये हैं। इसके लिए पूरा सदन शोकमग्न है और सबको भारी दुख है। मा0 नेता सदन मुख्य मंत्री जी, मा0 नेता प्रतिपक्ष मौर्या जी, मा0 नेता भारतीय जनता पार्टी महाना जी, मा0 नेता राष्ट्रीय कांग्रेस और सभी अपने मा0 नेताओं के साथ अपने आपको सम्बद्ध करके अपने दल का सम्बद्ध करता हूं कि आप हमारी तरफ से हमारे दल की तरफ से शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा के सदस्य श्री सैय्यद कासिम हसन का 30 दिसम्बर, 2013 को निधन हो गया। वे लगभग 71 वर्ष के थे। श्री सैय्यद कासिम हसन का जन्म 9 सितम्बर, 1942 को कोड़ा जहानाबाद, जिला फतेहपुर में हुआ था। उन्होंने इण्टरमीडिएट की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री सैय्यद कासिम हसन सर्वप्रथम वर्ष 1977 में निर्वाचन क्षेत्र जहानाबाद, जिला फतेहपुर से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् वे वर्ष 1991 में निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर, जिला फतेहपुर से जनता दल, वर्ष 1996 में निर्वाचन क्षेत्र जहानाबाद, जिला फतेहपुर से बहुजन समाज पार्टी तथा वर्ष 2012 में निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर, जिला फतेहपुर से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे।

श्री सैय्यद कासिम हसन वर्ष 1975 में इमरजेन्सी के दौरान डी0आई0आर0 और मीसा के अन्तर्गत जिला कारागार फतेहपुर तथा केन्द्रीय कारागार नैनी, इलाहाबाद में बंदी रहे थे। वे जिला जनता पार्टी, फतेहपुर के अध्यक्ष तथा जनता दल उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय उपाध्यक्ष रहे थे। वे टाउन एरिया, कोड़ा जहानाबाद के चेयरमैन तथा मुस्लिम वेल्फेयर सोसाइटी के अध्यक्ष भी रहे थे। वे कई शैक्षिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे थे। समाज सेवा, खेल तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उनकी विशेष रुचि थी। श्री सैय्यद कासिम हसन के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश सोलहवीं विधान सभा के सदस्य श्री दीपक कुमार का 24 जनवरी, 2014 को निधन हो गया। वे लगभग 48 वर्ष के थे। श्री दीपक कुमार का जन्म 4 अक्टूबर, 1966 को वाजिदपुर, जिला कानपुर में हुआ था। उन्होंने बी0एस0सी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री दीपक कुमार वर्ष 1995 के उप निर्वाचन में तथा वर्ष 1996, 2007 तथा 2012 में निर्वाचन क्षेत्र उन्नाव, जिला उन्नाव से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे तेरहवीं

लोक सभा के सदस्य भी रहे थे। श्री दीपक कुमार समाजवादी पार्टी के आन्दोलन में जिला कारागार, उन्नाव में बन्दी रहे थे। वे अखिल भारतीय लोधी, निषाद, बिन्द एवं कश्यप एकता समता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे थे। वे मनोहर लाल डिग्री कालेज, कानपुर, जे0पी0आर0एन0 अमर इण्टर कालेज, कानपुर के अध्यक्ष एवं प्रबन्धक तथा बाबा सिद्धिनाथ मन्दिर धाम, कानपुर के अध्यक्ष रहे थे। उन्होंने 'लोधी दर्पण' शीर्षक से एक पुस्तक भी लिखी है। समाज सेवा, भ्रमण, पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं के अध्ययन में उनकी विशेष रुचि थी। श्री दीपक कुमार के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

माननीय श्री सैय्यद कासिम हसन एवं श्री दीपक कुमार के निधन से आज पूरा सदन शोकाकुल है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक-संतृप्त परिवारों को इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं इस सदन में व्यक्त शोक संवेदनाएं मृतक के शोकाकुल परिवारों को पहुंचा दूंगा। अब हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट खड़े होकर मौन रखेंगे।

(सदन में सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर दो मिनट मौन खड़े हुए)

कृपया स्थान ग्रहण करें।

अब हम उठते हैं, कल 11.00 बजे फिर मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 30 मिनट पर अगले दिन के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 20 फरवरी, 2014

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 01 विधान सभा (6)-03-04-2014-813 प्रतियां (कम्प्यूटर)।